

आखर अरथ अलंकृति नाना। छंद प्रबंध अनेक विधाना।
भाव भेद रस भेद अपारा। कबित दोष गुन बिबिध प्रकारा।।

नाना प्रकार के अक्षर, अर्थ और अलंकार, अनेक प्रकार की छन्द रचना, भावों और रसों के अपार भेद और कविता के भाँति-भाँति के गुण-दोष होते हैं।
—श्रीरामचरितमानस / 5

संस्थान में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

26 जनवरी, 2026 को 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह संस्थान के खेल परिसर में देश प्रेम से भरे वातावरण में पूरे जोश व उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. रंगन बॅनर्जी ने नियत समय पर ध्वजारोहण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात राष्ट्रगान से पूरा परिसर गूँज उठा।

इस पावन अवसर पर विद्यार्थियों, सुरक्षा एकक के स्टाफ तथा संस्थान स्टाफ सदस्यों द्वारा परेड प्रस्तुत की गई। इसके उपरान्त खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों एवं स्टाफ को अवार्ड प्रदान किए गए। नर्सरी स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा सामूहिक गान एवं नृत्य प्रस्तुति दी गई। केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों द्वारा देशभक्ति थीम पर लोक नृत्य एवं सामूहिक गान प्रस्तुत किए गए। बी.आर.सी.ए. द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गयीं। जहाँ छोटे बच्चों के लिए दौड़ का आयोजन किया गया, वहीं विद्यार्थियों, संकाय एवं स्टाफ सदस्यों के लिए रस्साकशी तथा क्रिकेट की व्यवस्था की गई जिनका सभी ने भरपूर आनंद लिया।



निदेशक महोदय का उद्बोधन

(संक्षिप्त अनूदित सार)

संस्थान के निदेशक प्रो. रंगन बॅनर्जी ने समस्त संकाय, स्टाफ एवं विद्यार्थियों व उनके परिवारजनों तथा परिसरवासियों को भारत के 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज आप सभी को इस ऐतिहासिक दिन के जश्न का हिस्सा बनते देखना मुझे आह्लादित कर रहा है। हम सब खुद को इस महान राष्ट्र के प्रति समर्पित करते हैं।

आज के इस विशेष दिन पर हमारे लिए ज़रूरी है कि हम गणतंत्र दिवस के मायने समझें। 'रिपब्लिक' शब्द लैटिन से उद्भूत है, जिसका अर्थ है: जनता का! 76 साल पूर्व आज के ही दिन हमने निर्णय लिया था कि हम एक सम्प्रभु लोकतांत्रिक राष्ट्र बनेंगे, इसका अर्थ है कि हमारे नेता, हमारे प्रधानमंत्री हमारे

द्वारा चुने जाएँगे। वे हमारे लिए काम करेंगे। हमारा लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा संचालित होगा। इस नुक्ते से जब हम देश को समझते हैं तो पाते हैं कि संप्रभुता देश का अत्यंत महत्वपूर्ण मूल्य है। हम पाते हैं कि पिछला साल हमारे देश के लिये चुनौतियों भरा रहा और हमने

उनका पूरे साहस के साथ सामना किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' में हमारी सैन्य ताकतों ने सुनिश्चित किया कि इस देश की संप्रभुता अक्षुण्ण बनी रहे। देश के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को समझते हुए आई. आई.टी. दिल्ली में हमने अपने स्टार्ट अप्स, अपनी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से अपना योगदान दिया है, जिसका उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में भी किया गया।

हम सबके लिए ज़रूरी है कि हम राष्ट्र-निर्माण में अपनी भूमिका समझें और उसे निभाएँ। मौजूदा वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में भारत के लिए आत्मनिर्भर होना महत्वपूर्ण है और इसके लिए हमें वैचारिक, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में लीडरशिप की ज़रूरत है और यहीं आप सब, हम सब अपने विचारों, अपनी तकनीकों के जरिए अपनी ज़िम्मेदारी निभा सकते हैं।

हम मानते हैं कि प्रौद्योगिकी विकास काफी ज़रूरी है और हम सबको इस क्षेत्र में अपना काम करते हुए राष्ट्र की संप्रभुता को बनाए रखने में अपनी नागरिक ज़िम्मेदारी निभानी चाहिए। आप सभी के साथ यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि आज के दिन हमारे अपने प्रो. एम. जगदीश कुमार को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। संस्थान अपने संकाय सदस्य के इस सम्मान से खुद को सम्मानित महसूस कर रहा है और हम यह उम्मीद करते हैं कि यह सम्मान हमारे विद्यार्थियों, हमारे पूर्व विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेगा। इस वर्ष संस्थान के स्थापना दिवस पर हम भारत और दुनिया भर में अपने 65,000 पूर्व विद्यार्थियों के प्रभाव व उनके योगदानों को सेलिब्रेट करेंगे। इस वर्ष हमारी योजना है कि हम 2035 तक के लिए एक ऐसा विजन एक रणनीति तैयार करें जिससे हमारा संस्थान समाज में अपनी सार्थक भूमिका निभा सके।

आइए आज के दिन हम सब खुद को राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने की प्रतिज्ञा लेते हैं।

जय हिन्द!

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/481174 दिनांक 09.01.2026 के अनुसार **प्रो. कार्तिकेय शर्मा** ने 05.01.2026 को संस्थान के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
प्रो. कार्तिकेय शर्मा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/481613 दिनांक 12.01.2026 के अनुसार **प्रो. शुभम संदीप** ने 12.01.2026 को संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
प्रो. शुभम संदीप को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।
- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. 9261(9)2026/Estt.-2 दिनांक 27.01.2026 के अनुसार **श्री अवनीश संगल** ने 30.12.2025 को संस्थान में कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें 15.01.2026 से निर्माण अनुभाग में नियुक्त किया गया है।
- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. DIS/1463/2026 दिनांक 15.01.2026 के अनुसार **श्री अनिरुद्ध कुमार** ने 23.12.2025 को संस्थान में सातवें वेतन आयोग

के वेतन लेवल-06 में कनिष्ठ अधीक्षक (आतिथ्य) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से छात्र कार्य अनुभाग में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. DIS/1868/2026 दिनांक 27.01.2026 के अनुसार **श्री राजगोपाल आत्माकुरु** ने 27.11.2025 को संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-10 में सहायक कार्यपालक अभियन्ता (विद्युत) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निर्माण अनुभाग में नियुक्त किया गया है।

नाम परिवर्तन

सहायक कुलसचिव (समन्वय) से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-850BOG/1/2026 CDN/1364/1 दिनांक 19.01.2026 के अनुसार बी.ओ.जी. संकल्प संख्या B.G. 58/2025 दिनांक 20.12.2025 को आयोजित 223 वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार "संकायाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम" का नाम बदल कर "संकायाध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय संबंध" किया गया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय एवं स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 30 जनवरी, 2026 को अपराहन में संस्थान से सेवानिवृत्त हो गये हैं :-

प्रो. शांतनु चौधरी, प्रोफेसर, विद्युत इंजीनियरी विभाग



प्रो. शांतनु चौधरी ने 29 जनवरी, 1992 को संस्थान में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। 12 अक्टूबर, 1995 को आपको सह प्रोफेसर तथा 16 मार्च, 2000 को प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया। सौम्य स्वभाव के प्रो. शांतनु चौधरी अपने संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय रहे हैं।

प्रो. अशोक कुमार गांगुली, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग



प्रो. अशोक कुमार गांगुली ने 09 नवम्बर, 1995 को संस्थान में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। 31 जुलाई, 2002 को आपको सह प्रोफेसर तथा 26 अक्टूबर, 2006 को प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया। प्रो. गांगुली 02.05.2023 से 31.01.2026 तक की अवधि के लिए आई.आई.टी. में पुनर्ग्रहणाधिकार रख कर आई.आई.एस. ई.आर., बेरहामपुर में निदेशक के पद पर कार्यरत रहे। अतः प्रो. गांगुली वहीं से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। प्रो. अशोक कुमार गांगुली अपने संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय रहे हैं।

श्री अशोक कुमार (26339), सहायक कार्यपालक अभियन्ता, निर्माण संगठन



श्री अशोक कुमार ने 11 अगस्त, 1994 को संस्थान में कनिष्ठ अभियन्ता (ग्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 मई, 1998 को आर. सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ अभियन्ता के रूप में मैप किया गया। 01 सितम्बर, 2006 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको सहायक कार्यपालक अभियन्ता (विद्युत) के रूप में पदोन्नत किया गया। 22 दिसम्बर, 2022 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको सहायक कार्यपालक अभियन्ता (विद्युत) के रूप में पुनः पदनामित किया गया। 11 जून, 2024 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको सहायक कार्यपालक अभियन्ता के रूप में पदोन्नत किया गया। मिलनसार व्यक्तित्व के श्री अशोक कुमार एक मेहनती एवं कर्मठ सहायक कार्यपालक अभियन्ता रहे हैं।

श्री आनंद कुमार गौतम (26308), तकनीकी अधिकारी, रासायनिक इंजीनियरी विभाग



श्री आनंद कुमार गौतम ने 03 मार्च, 1992 को संस्थान में कनिष्ठ तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार

ग्रहण किया था। 01 अप्रैल, 2004 को आपको आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत वरिष्ठ तकनीकी सहायक के रूप में पदोन्नत तथा तकनीकी अधीक्षक के रूप में पुनः पदनामित किया गया। 03 मार्च, 2012 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 4800/- में उन्नयन दिया गया। 03 मार्च, 2022 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको लेवल-9 में उन्नयन दिया गया। 22 दिसम्बर 2022 को आर. एण्ड पी.आर. एस. के अन्तर्गत आपको उप तकनीकी अधिकारी के रूप में पुनः पदनामित तथा 21 फरवरी, 2023 को तकनीकी अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। विनम्र स्वभाव के श्री आनंद कुमार गौतम एक मेहनती एवं कर्मठ तकनीकी अधिकारी रहे हैं।

श्री बीरी सिंह (26133), कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरी विभाग



श्री बीरी सिंह ने 10 मई, 1994 को संस्थान में कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 जून, 2006 को आर. सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप में पदोन्नत किया गया। 10 मई, 2014 को एम.ए.सी. पी. के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 4200 में उन्नयन दिया गया। 22 दिसम्बर, 2022 को आर. ऐन्ड पी.आर. के अन्तर्गत आपको तकनीकी सहायक के रूप में सेवायोजन दिया गया। 16 मार्च, 2023 को डी.पी.सी. के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। 10 मई, 2024 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको लेवल-7 में उन्नयन दिया गया। विनम्र स्वभाव के श्री बीरी सिंह एक मेहनती एवं कर्मठ कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय एवं स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

पुनर्नियुक्ति

प्रो. शांतनु चौधरी (विद्युत इंजीनियरी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत

तक अर्थात् 30.06.2026 तक के लिए विद्युत इंजीनियरी विभाग में प्रोफेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. DIS/1126/2025 दिनांक 30.12.2025 के अनुसार **डॉ. प्रियंका**, पोस्ट-डॉक्टरल फेलो (कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 19.01.2026 को स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. प्रियंका को 19.01.2026 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।
- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. DIS/1378/2025 दिनांक 09.01.2026 के अनुसार **श्री कुमार सौरव दीप**, तकनीकी सहायक (यांत्रिक इंजीनियरी विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 09.01.2026 को स्वीकार कर लिया है। अतः श्री कुमार सौरव को 09.01.2026 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

आई.आई.टी. दिल्ली ने मनाया 68वां स्थापना दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान ने अपनी पहली 'अल्युमनी इम्पैक्ट रिपोर्ट' जारी की, जो संस्थान की स्थापना से अब तक इसके 65,000 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों की असाधारण यात्रा और योगदान को रेखांकित करने वाला एक व्यापक दस्तावेज है। इस 'अल्युमनी इम्पैक्ट रिपोर्ट' का अनावरण संस्थान द्वारा आयोजित स्थापना दिवस समारोह के दौरान मुख्य अतिथि और आई. आई.टी. दिल्ली के पूर्व विद्यार्थी डॉ. गुरतेज एस. संधू (माइक्रोन टेक्नॉलजी के प्रमुख फेलो और कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष) और प्रो. रंगन बॅनर्जी, निदेशक, आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा किया गया।

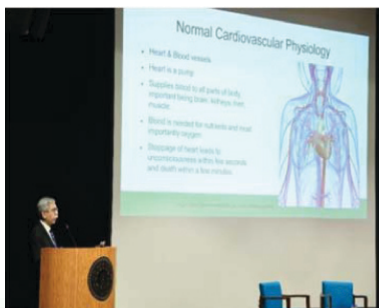
डॉ. गुरतेज एस. संधू (एम. टेक, विद्युत इंजीनियरी, 1985 बैच) ने 'चिप टेक्नॉलजी का भविष्य और नवाचार की भूमिका' विषय पर एक व्याख्यान भी दिया। स्थापना दिवस पर, प्रो. रंगन बॅनर्जी, निदेशक, आई.आई.टी. दिल्ली ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया

और संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा देश और दुनिया के लिए किए गए योगदान के बारे में बताया। प्रो. बॅनर्जी ने कहा कि आई.आई.टी. दिल्ली का प्राथमिक उद्देश्य शुरू से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्योगों से जुड़ना रहा है। 'अल्युमनी इम्पैक्ट रिपोर्ट' के अनुसार, आज आई.आई.टी. दिल्ली के लगभग 10,000 अल्युमनी बैंकिंग और वित्त, विनिर्माण और इंजीनियरिंग उद्योग में नेतृत्व पदों पर आसीन हैं। इनमें से 70% अल्युमनी भारत में रहते हैं। 1,000 से अधिक अल्युमनी बड़ी और विविध कॉर्पोरेट सिस्टम्स के बोर्डरूम में कार्यरत हैं। अपने आरंभिक वर्षों से तकनीकी शिक्षा में वैश्विक अग्रणी के रूप में अपनी वर्तमान स्थिति तक, आई.आई.टी. दिल्ली वैश्विक 'यूनिर्कॉर्न' ईकोसिस्टम के लिए एक प्राथमिक इंजन रहा है। रिपोर्ट में इस संस्थान से उत्तीर्ण 2,500 से अधिक संस्थापकों का और सह-संस्थापकों का उल्लेख है। रिपोर्ट के अनुसार, आई.आई.टी. दिल्ली के पूर्व विद्यार्थियों ने आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में चुनिंदा प्रमुख ब्रांड बनाने में अहम भूमिका निभाई है और 4.8 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजन में योगदान दिया है। स्टार्टअप की दुनिया से परे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली का प्रभाव भारतीय शासन व्यवस्था

और वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में गहराई से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में संस्थान के 650 से अधिक अल्युमनी सिविल सेवाओं में उल्लेखनीय उपस्थिति के साथ सार्वजनिक संस्थानों में सेवा दे रहे हैं जिसमें 270+ आई.ए. एस. अधिकारी, 100+ आई.पी.एस., आई.आर. एस. और आई.एफ.एस. अधिकारी, 250+ भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, नियामक निकायों और वैज्ञानिक मिशनों में उच्च पदों पर आसीन हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा में भी संस्थान का योगदान उतना ही महत्वपूर्ण है। आई.आई.टी. दिल्ली में नौसेना निर्माण विंग ने भारतीय नौसेना के लिए 700 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में, संस्थान की अकादमिक गुणवत्ता इसके स्नातकों की विश्व के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पदस्थापना में परिलक्षित होती है। रिपोर्ट के अनुसार, 50 से अधिक पूर्व विद्यार्थी क्यू.एस. शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में संकाय के रूप में कार्यरत हैं, जबकि 300 से अधिक पूर्व विद्यार्थी अन्य आई.आई.टी. में संकाय पदों पर हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्कृष्टता की विरासत आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित कर रही है। रिपोर्ट में आई.आई.टी. दिल्ली अक्षय निधि की सफलता पर भी प्रकाश डाला गया है, जो पूरी

तरह से अपने पूर्व विद्यार्थियों की उदारता से निर्मित है। यह निधि संस्थान को स्वतंत्र रूप से अनुसंधान और बुनियादी ढांचे में निवेश करने के लिए रणनीतिक लचीलापन प्रदान करती है। वर्तमान में, निधि में 477 करोड़ रुपये के दान के वादे दर्ज हैं, जिसमें से 338 करोड़ रुपये पहले ही मिल चुके हैं। कृतज्ञता के एक ऐतिहासिक संकेत के रूप में, आई.आई.टी. दिल्ली के 2000 बैच ने दिसंबर 2025 में अपने सिल्वर जुबली रीयूनियन के दौरान 70 करोड़ रुपये से ज्यादा देने का वादा किया है। ये योगदान महत्वपूर्ण पहलों जैसे – उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए 75 से ज्यादा अकादमिक चेयर्स और 115 से ज्यादा पुरस्कार, योग्य विद्यार्थियों की सहायता के लिए 137 से ज्यादा छात्रवृत्ति और अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान, मितल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, यार्डी स्कूल ऑफ ए.आई. और सी.ई.आर.सी.ए. सेंटर फॉर क्लाइमेट रिसर्च जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास आदि को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रो. रंगन बॅनर्जी ने कहा कि "1966 में 150 विद्यार्थियों से लेकर आज के 65,000 विद्यार्थियों तक हमारे स्नातक भारत की तकनीकी और सामाजिक प्रगति के दिल की धड़कन बने हुए हैं।"

आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला के 9वें सत्र का सफल आयोजन



आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल से प्राप्त विज्ञप्ति दिनांक 29.01.2026 के अनुसार आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल एवं अकादमिक आउटरीच कार्यालय की पहल 'आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता' का 9वां सत्र "हृदय संबंधी सामान्य विकार" प्रोफेसर डॉ. राजीव नारंग (अध्यक्ष एवं प्रोफेसर, हृदय-रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली) के विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ 20.01.2026 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

डॉ. राजीव नारंग ने हृदय संबंधी सामान्य बीमारियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी,

जिसमें लक्षणों को जल्दी पहचानने, समय पर निदान और दिल की बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए निवारक रणनीतियों के महत्व पर जोर दिया गया। दिल की सेहत के मुख्य स्तंभों के रूप में जीवनशैली में बदलाव, जिसमें स्वस्थ आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, तनाव प्रबंधन और तंबाकू से बचना शामिल है, पर विशेष बल दिया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, संकायों, कर्मचारियों और उनके परिवारों द्वारा अनेकों ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे गये

और वक्ता द्वारा संज्ञानात्मक स्वास्थ्य बनाए रखने और हृदय विकारों को रोकने के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।

आई.आई.टी.दिल्ली अस्पताल एवं अकादमिक आउटरीच कार्यालय ने सभी प्रतिभागियों, विशेषकर प्रोफेसर डॉ. राजीव नारंग का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस सत्र को ज्ञानवर्धक एवं यादगार बनाया और आशा व्यक्त की कि आरोग्य शृंखला के अगले सत्र में प्रतिभागियों की सहभागिता और भी बेहतर कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करेगी।